हिन्दुस्तान
लखनऊ • शनिवार • 24 मार्च 2012

अर्से बाद भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का परिसर दो दिवसीय 'शुगर फेस्ट' में बदला-बदला सा नजर आया

खेल-खेल में गन्ना उत्पादन की तकनीक सीखी

शुगर फेस्ट

- लंबे अर्से बाद आईआईएसआर में दिखा जश्न का माहौल
- बच्चों, महिलाओं और किसानों के लिए हुई प्रतियोगिताएं

लखनऊ | निज संवाददाता

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के परिसर का माहौल लंबे अर्से के बाद बदला हुआ था। सामान्य तौर पर परिसर में केवल पढ़ाई, रिसर्च की बात होती है लेकिन आज परिसर में कहीं बच्चे खेल रहे थे तो कहीं बैलगाड़ी की सवारी में मस्त थे। महिलाएं और लड़कियां गुड़ और गन्ने के रस से नए पकवान बनाने की कला दिखा रही थीं। मौका था संस्थान में आयोजित दो दिवसीय शुगर फेस्ट का। उद्घाटन चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त कामरान रिजवी ने किया।

कामरान रिजवी ने कहा कि प्रदेश गन्ना उत्पादन के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है। इसे संस्थान के सहयोग से पहले नंबर पर लाना है। किसानों की सबसे बड़ी परेशानी गन्ना बीज को लेकर है। जिसे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत संस्थान और बीज विकास निगम मिल कर पूरा करेगा। संस्थान निदेशक डॉ. एस सोलोमन ने कहा कि 2012 को उत्कृष्ट वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया गया है। पादप प्रजाति और कृषक अधिकार एवं संरक्षण अधिनियम के रजिस्ट्रार तेजवीर सिंह ने किसानों को उनके अधिकार के बारे में जानकारी दी। डॉ एके श्राह, डॉ अनीता सावनानी, डॉ पीके सिंह ने किसानों को अधिक पैदावार लेने की तकनीकें बताईं। शाम को हुई शहादत हुसैन की कव्वाली ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस दौरान काफी संख्या में आए बच्चों ने गन्ने के संबंध में रोचक जानकारियां प्राप्त कीं।

शुगर फेस्ट से इतर बच्चों ने खालिश गंवई मस्ती का आनंद लिया और बैलगाड़ी की सवारी का लुत्फ भी उठाया। • हिन्दुस्तान

प्राथमिकताओं में चौथे नम्बर पर पहुंची खेती

सेमिनार

- गिरि विकास अध्ययन संस्थान में छोटे किसानों की समस्या पर सेमिनार
- राष्ट्रीय आय में कृषि का हिस्सा घटकर 13-14 प्रतिशत ही रह गया

लखनऊ। राष्ट्रीय आय में कृषि का हिस्सा अब महज 13 से 14 प्रतिशत ही रह गया है। जबकि इस पर 60 प्रतिशत आबादी निर्भर है। ऐसे में सर्वोच्च प्राथमिकता कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जाने की होनी चाहिए। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर मुजम्मिल ने व्यक्त किए। वह शुक्रवार को अलीगंज में स्थित गिरि विकास अध्ययन संस्थान में छोटे किसानों की समस्या विषय पर सेमिनार में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

प्रो. मुजम्मिल ने कहा कि 1991 में हुए उदारीकरण के बाद से लगातार कृषि क्षेत्र की उपेक्षा हो रही है। अब कृषि क्षेत्र देश की प्राथमिकता में चौथे नंबर पर पहुंच गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन उर्दू, अरबी-फारसी विवि के कुलपति अनीस अंसारी ने किया। कार्यक्रम में गिरि विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. एके सिंह ने कहा कि किसानों को बेहतर ऋण सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए और मार्केटिंग की बेहतर व्यवस्था भी होनी चाहिए। कार्यक्रम में जेएनयू की प्रोफेसर सीमा बाफिला व शीला भल्ला ने भी विचार रखे।

शुगर फेस्ट में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता

गुड़ रेसिपी कंपटीशन-महिला वर्ग प्रथम पूनम पांडेय, द्वितीय स्वाती सिंह, तृतीय रेशमा इरफान, छात्रा वर्ग-प्रथम अंकिता श्रीवास्तव, द्वितीय साक्षी श्रीवास्तव, तृतीय ममता तिवारी

ड्राइंग कंपटीशन-ग्रुप ए प्रथम अनन्या सिंह, द्वितीय सुरभि रावत, तृतीय सीमा यादव, प्रतुल्य और द्विशा, ग्रुप बी प्रथम दानिया मसूद, द्वितीय श्रेयसी सक्सेना, तृतीय प्रतीक्षा सिंह

डिबेट-ग्रुप ए प्रथम गीतिका नेगी, द्वितीय ध्रुव नंदा, तृतीय स्वाती सिंह, ग्रुप बी-आकांक्षा पटेल, द्वितीय शिवम केसरवानी और तृतीय मनसमिता सिंह

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में किसान को सम्मानित करते डॉ. सुशील सोलोमन — कैनविज टाइम्स

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ

देश को प्रथम स्थान पर लाने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- अगले दो दिनों तक चलेगा शर्करा महोत्सव, वैज्ञानिकों और किसानों को किया गया सम्मानित
- महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा

लखनऊ। साल 2012 संस्थान के लिए उत्कृष्ट वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। इसके लिए हम सभी लोगों को भेदभाव से ऊपर उठकर सिर्फ योग्यता एवं दक्षता पर आधारित कार्यक्रम एवं प्रयास को प्राथमिकता देनी पड़ेगी। शुक्रवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के शुभारम्भ के अवसर पर निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने यह बात कही।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त कामरान रिजवी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कामरान रिजवी ने उद्घाटन भाषण में उत्तर प्रदेश को चीनी उत्पादन में देश को विश्व में चीनी उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त करने में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव को एक महत्वपूर्ण आयोजन बताया तथा इसके लिए संस्थान के निदेशक तथा वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गन्ना बीज उत्पादन के लिए संस्थान को सतत मिलकर काम करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर संयुक्त गन्ना आयुक्त राजेश पांडेय, रजिस्ट्रार तेजवीर सिंह, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थाओं के निदेशक, राज्य सरकार के अधिकारी, विभिन्न चीनी मिलों के प्रतिनिधि, विभागों के विभागाध्यक्ष, संस्थान के सेवानिवृत्त और कार्यरत वैज्ञानिक उपस्थित रहे। इसके अलावा किसान, छात्र-छात्राएं सहित अन्य लोगों ने भी मेला समारोह में भाग लिया।

प्रदेश के प्रगतिशील, किसान छात्र एवं छात्राएं, शिक्षक व मेला में भाग ले रहे शहरी व ग्रामीण जन समारोह में उपस्थित थे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके सहा ने बताया कि महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके सहा ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा।

इस मौके पर गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिए बिहार एवं उत्तर प्रदेश के 5 किसानों (प्रदीप सिंह चौहान, शैलेन्द्र वर्मा, राजेश, शैलेश एवं विरेन्द्र बहादुर सिंह) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डॉ. अर्जुन सांखला, एस पिल्लई, एवं सुनील राधाकृष्णन को भी चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों ने संस्थान द्वारा विकसित गन्ना प्रजाति कोलख 94184 को गन्ना उपज तथा चीनी परता की दृष्टि से उत्तम बताया तथा संस्थान के अन्य तकनीकों जैसे पाई प्रबंधन जल बचत करने वाले सिंचाई विधियों को किसानों का आय बढ़ाने के लिए वरदान बताया। तकनीकी अधिकारी अनीता सावनानी, डॉ. पीके सिंह, आयोजन सचिव, शर्करा महोत्सव ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया।

अमर उजाला | लखनऊ | शनिवार | 24 मार्च 2012

नेशनल शुगर फेस्ट का भव्य आगाज

उत्कृष्ट गन्ना उत्पादक किसान और चीनी उद्योग से जुड़े उद्यमी हुए सम्मनित

अमर उजाला ब्यूरो

● गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त ने किया फेस्ट का उद्घाटन

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ परिसर में शुक्रवार को दो दिवसीय नेशनल शुगर फेस्ट का भव्य आगाज हुआ। फेस्ट का उद्घाटन सूबे के गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने किया। इस मौके पर आयुक्त रिजवी ने कहा कि यूपी चीनी उत्पादन में विश्व में दूसरे नम्बर पर है। रिजवी ने फेस्ट को गन्ना उत्पादक किसानों और चीनी उद्योग से जुड़े उद्यमियों के लिए काफी महत्वपूर्ण बताया। संयुक्त गन्ना आयुक्त राजेश पांडेय ने बताया कि यूपी देश में 50 फीसदी से ज्यादा गन्ना उत्पादन करने वाला अकेला राज्य है। ऐसे में संस्थान से जुड़े वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे गन्ना की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा नवीनत जानकारी मुहैया कराएं। ताकि पैदावार को बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील युग में गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक नवीन विधियों के प्रयोगों से किसानों को जागरूक किया जाना चाहिए। दो दिवसीय फेस्ट में गन्ने की उत्कृष्ट खेती करने वाले पांच किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले किसानों प्रदीप सिंह चौहान, शैलेन्द्र वर्मा, राजेश, शैलेश कुमार एवं वीरेन्द्र कुमार सिंह शामिल हैं। इस मौके पर चीनी उद्योग से जुड़े डॉ अर्जुन सांखला, एस पिल्लई एवं डॉ सुनील राधाकृष्णन को चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए संस्था के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। गन्ना अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक ए के साह ने बताया कि फेस्ट किसानों को गन्ने की खेती से संबंधित जानकारी देने के लिए कृषि उत्पाद एवं मशीन निर्माताओं की ओर से करीब 40 स्टॉल लगाए गए हैं।

गन्ना अनुसंधान संस्थान में शुक्रवार से शुरू हुए दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में लगे मेले में एमू पालन की जानकारी लेते लोग।

the pioneer

LUCKNOW SATURDAY I MARCH 24, 2012

National Sugar Fest inaugurated at IISR

Lucknow (PNS): National Sugar Fest was inaugurated at Indian Institute of Sugarcane Research on Friday. Cane Commissioner, Uttar Pradesh, inaugurated the function in the presence of research personnel, sugar industry people, farmers, consumers and students. The inaugural function was chaired by director S Solomon. Additional Cane Commissioner Rajesh Pandey was also present on the ocassion. The institute also started a training programme on Plant Protection of Varieties and Farmer's Right Association (PPV&FRA) activities.

Addressing the gathering, Solomon said latest technologies should be used. He called for collaborative efforts between the institute and Cane department for production and multiplication of cane seeds of improved varieties. He also informed the delegates about the institute's activities and technologies. Those from sugar industry and farmers also highlighted the importance of such functions for sugar industry improvement. Innovators from sugar industry and innovative cane growers, Pradeep Singh Chauhan, Rajesh Singh, Shaledra Verma, Shalesh Singh and Birendra Bahadur from UP and Bihar, were honoured for their contribution to adoption of latest sugarcane production technologies and overall development and improvement of the industry and sugarcane. Personnel from about 40 sugar industries, research institute, state development agencies and agriculture equipment manufacturer are participating in the sugar fest. They have put up their stalls for demonstrating technologies and activities.

Several competitions such as drawing, dance, fancy dress and innovative food products for children, students and ladies are being organised.

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW
SATURDAY, MARCH 24, 2012

National Sugar Fest: National Sugar Fest-2012 was inaugurated at Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow by cane commissioner Kamran Rizvi in presence of research personnel, sugar industry people, farmers, consumers on Friday. On this occasion, the institute has also started a training programme on plant protection of varieties.

इन्क़लाबी नज़र 5 लखनऊ शनिवार 24 मार्च 2012

नवीन विधियों से किसान जागरूक हों

लखनऊ, 23 मार्च (ब्यूरो)।

आज के प्रगतिशील युग में गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक नवीन विधियों के प्रयोग के लिए किसानों को जागरूक किया जाना चाहिए। गन्ना संस्थान के अधिकारियों, तकनीकि सलाहकारों, वैज्ञानिकों को मौके पर किसानों के बीच जाकर उन्हें गन्ना खेती के विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने से प्रदेश का किसान आगे बढ़ सकता है।

यह बात गन्ना विकास एंव चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने आज यहां भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश विश्व में दूसरे स्थान पर है जबकि गन्ना उत्पादन के मामले में देश का आधा गन्ना उत्तर प्रदेश में ही होता है। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के आयोजन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश के वैज्ञानिकों द्वारा गन्ना किसानों को गन्ने की खेती की तकनीकि जानकारी देकर सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा

- गन्ना आयुक्त ने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का किया उद्घाटन
- पांच किसानो को सम्मानित कियां गया

किसानों द्वारा नवीन तकनीक से पैदा की जाने वाली फसलों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने नई-नई तकनीक के कृषियंत्रों के संबंध में भी गहनता से जानकारी प्राप्त करते हुए विकास के दौर में इन विधियों का उपयोग करने के लिए किसानों को सलाह भी दी। इससे पहले श्री रिजवी का स्वागत गन्ना संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने किया और उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया। दोनों ने पूरे स्टालों का भ्रमण कर अवलोकन भी किया। गन्ना संस्थान के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में चीनी उद्योग, शोध संस्थाओं, राज्य के विकास विभागों तथा कृषि उत्पाद एवं मशीन निर्माताओं के लगभग 40 संस्थाओं के प्रतिनिधियों में भाग लिया। महोत्सव में तकनीकि-उत्पादनों के प्रदर्शन के लिए स्टाल भी लगाये गये हैं। महोत्सव में बिहार, उत्तर प्रदेश सहित कई जिलों के किसानों ने भाग लिया तथा अपने-अपने विचारों को भी रखा। गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान दिये जाने वाले पांच किसानों प्रदीप सिंह चौहान, शैलेंद्र वर्मा, राजेश, शैलेश कुमार एवं वीरेंद्र कुमार सिंह, चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा.अर्जुन शंखला, एस पिल्लई एवं डा.सुनील राधाकृष्णन को चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए संस्थान के निदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

आज

लखनऊ, २४ मार्च , २०१२

गन्ना किसानों को नवीन तकनीकों से उत्पादन बढ़ाने की सलाह

लखनऊ, शुक्रवार (आज समाचार सेवा)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का उदघाटन गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि गन्ना विकास आयुक्त श्री रिजवी का स्वागत गन्ना संस्थान के निदेशक डा.सुशील सोलोमन ने किया और उन्हे प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया। कार्यक्रम के उदघाटन अवसर पर श्री रिजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर है जबकि गन्ना उत्पादन के मामले में भारत वर्ष का ५० प्रतिशत गन्ना उत्तर प्रदेश में पैदा कियसा जा रहा है। श्री रिजवी ने कहा कि आज के प्रगतिशील युग में गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक नवीन विधियों का प्रयोग के लिये किसानों को जागरूक किया जाना चाहिये। प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त ने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा किसानों द्वारा नवीन तकनीक से पैदा की जाने वाली फसलों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुये इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होने नई-नई तकनीक के कृषियंत्रों के संबंध में भी गहनता से जानकारी प्राप्त करते हुये विकास के दौर में इन विधियों का उपयोग करने के लिये किसानों को सलाह भी दी। गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त के साथ संस्थान के निदेशक डा.सुशील सोलोमन नेपूरे स्टालों का भ्रमण कर अवलोकन किया। गन्ना संस्थान के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में चीनी उद्योग, शोध संस्थाओं, राज्य के विकास विभागों तथा कृषि उत्पाद एवं मशीन निर्माताओं के लगभग ४० संस्थाओं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा.अर्जुन शंखला, एस पिल्लई एवं डा.सुनील राधाकृष्णन को चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये संस्थान के निदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्रएवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

युनाइटेड भारत, लखनऊ, 24 मार्च, 2012

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव शुरु

युनाइटेड समाचार सेवा

लखनऊ, २३ मार्च। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ परिसर में आज राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय ,कामरान रिजवी ,चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त उ.प्र. उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन समारोह के अध्यक्ष थे ।राजेश पाण्डेय संयुक्त गन्ना आयुक्त भी उपस्थित थे। भारतीय कृषि अनुसांधन परिषद के विभिन्न संस्थाओं के निदेशक राज्य सरकार के अधिकारी विभिन्न चीनी मिलों के प्रतिनिधि विभागों के विभागाध्यक्ष अनुभाग प्रभारी संस्थान के सेवानिवृत्ता तथा कार्यरत वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण प्रदेश के प्रगातिशील किसान छात्र एवं छात्राएं शिक्षक व मेला में भाग ले रहे शहरी व ग्रामीण जन समारोह में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि कामरान रिजवी ने उदघाटन भाषण में उत्तर प्रदेश को चीनी उत्पादन में देश में प्रथम तथा देश को विश्व में चीनी उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त करने में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव को एक महत्वपूर्ण आयोजन बताया तथा इसके लिए उन्होंने संस्थान के निदेशक तथा वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया इस मौके पर उन्होंने गन्ना बीज उत्पादन के लिए संस्थान के साथ मिलकर काम करने की आवश्कता पर जोर दिया। संस्थान के निदेशक डा. सोलोमन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वर्ष २०१२ को संस्थान के लिए उत्कृष्ट वर्ष बनाने के संकल्प को दोहराया।संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. ए.के. साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जाएगा।इस मौके पर गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिए बिहार एवं उत्तर प्रदेश के ५ किसानों प्रदीप सिंह चौहान शैलेन्द्र वर्मा, राजेश शैलेश एवं विरेन्द्र बहादुर सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा. अर्जुन सांखला एस. पिल्लई एवं सुनील राधाकृष्णा को भी चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

पायनियर
शनिवार, 24 मार्च, 2012

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। महोत्सव के मुख्य अतिथि प्रदेश के चीनी एवं गन्ना विकास आयुक्त कामरान रिजवी व अध्यक्षता संस्था के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री रिजवी ने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। संस्थान के निदेशक डॉ. सोलोमन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वर्ष 2012 को संस्थान के लिये उत्कृष्ट वर्ष बनाने के संकल्प को दोहराया। निदेशक ने आह्वान किया कि उत्कृष्ट वर्ष बनाने के लिये सभी लोगों को भेदभाव से ऊपर उठकर सिर्फ योग्यता एवं दक्षता पर आधारित कार्यक्रम एवं प्रयास को प्राथमिकता देनी पड़ेगी। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने बताया कि इस महोत्सव में सतरंगी कार्यक्रमों का आयोजन अगले दो दिनों तक किया जायेगा। गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान के लिये बिहार एवं यूपी के 5 किसानों को सम्मानित किया गया।

गन्ना किसानों को नवीन तकनीकों के उपयोग से उत्पादन बढ़ाने की सलाह

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का शुभारम्भ

लखनऊ (सं.)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का उद्घाटन गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त कामरान रिजवी ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि गन्ना विकास आयुक्त श्री रिजवी का स्वागत गन्ना संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने किया और उन्हें प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर श्री रिजवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश चीनी उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर है जबकि गन्ना उत्पादन के मामले में भारत वर्ष का 50 प्रतिशत गन्ना उत्तर प्रदेश में पैदा किया जा रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव के आयोजन को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि प्रदेश के वैज्ञानिकों द्वारा गन्ना किसानों को गन्ने की खेती की तकनीकी जानकारी देकर सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

श्री रिजवी ने कहा कि गन्ना संस्थान के अधिकारियों, तकनीकी सलाहकारों, वैज्ञानिकों को मौके पर किसानों के बीच जाकर उन्हें गन्ना खेती के विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने से प्रदेश का किसान आगे बढ़ सकता है। आज के प्रगतिशील युग में गन्ने की बुवाई से लेकर कटाई तक नवीन विधियों का प्रयोग के लिये किसानों को जागरूक किया जाना चाहिए।

प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी आयुक्त ने महोत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन किया तथा किसानों द्वारा नवीन तकनीक से पैदा की जाने वाली फसलों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुये इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

गन्ना संस्थान के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में चीनी उद्योग, शोध संस्थाओं, राज्य के विकास विभागों तथा कृषि उत्पाद एवं मशीनों निर्माताओं के लगभग 40 संस्थाओं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महोत्सव में तकनीकी / उत्पादों के प्रदर्शन हेतु स्टाल भी लगाये हैं। आयोजित किये गये कार्यक्रम में बिहार, उत्तर प्रदेश सहित कई जनपदों के किसानों ने भाग लिया तथा अपने-अपने विचारों को भी रखा। गन्ना खेती में उत्कृष्ट योगदान दिये जाने वाले 5 किसानों प्रदीप सिंह चौहान, शैलेन्द्र वर्मा, राजेश, शैलेश कुमार एवं वीरेन्द्र कुमार सिंह, चीनी उद्योग के प्रतिनिधि डा. अर्जुन शंखला, एस. पिल्लई एवं सुनील राधाकृष्णन को चीनी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिये संस्थान के निदेशक द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

गन्ना अनुसंधान संस्थान में शर्करा महोत्सव में प्रदर्शनी का अवलोकन करते निदेशक डा. सुशील सोलोमन व गन्ना आयुक्त कामरान रिजवी